कलेक्ट्रेट में ही व्यवस्था का दम घुटा बदबूदार प्रसाधनों ने खोली सफाई की पोल

न टोटियां, न पानी, न सफाई; आगंतुकों के लिए पीने के पानी तक का इंतजाम नहीं, सीलन और गंदगी से बढ़ा मच्छरों का प्रकोप

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

जिले की प्रशासनिक व्यवस्था का सबसे बड़ा केंद्र कलेक्ट्रेट ही जब बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा हो तो सरकारी व्यवस्थाओं के दावों पर सवाल उठना लाजिमी है। कलेक्ट्रेट परिसर के सार्वजनिक प्रसाधनों की हालत ऐसी है कि वहां नलों में टोटियां तक नहीं हैं, पानी की व्यवस्था चौपट है और गंदगी व बदबू के बीच प्रसाधनों का उपयोग करना मुश्किल हो रहा है।

कलेक्ट्रेट परिसर में भी गंदगी का डेरा: कलेक्ट्रेट परिसर की बाहरी तस्वीर भी प्रशासनिक दावों पर सवाल खड़े कर रही है। जगह-जगह गंदगी के साथ बड़ी-बड़ी गाजर घास उग आई है, जिससे परिसर की सुंदरता पर ग्रहण लगा है। झाड़ियों और गंदगी के बीच विषैले जीव-जंतुओं का खतरा भी बढ़ रहा है। ऐसे में सफाई और नियमित रखरखाव की जिम्मेदारी पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हालात सिर्फ शौचालयों तक सीमित नहीं हैं। कलेक्ट्रेट आने वाले आगंतुकों के लिए पीने के पानी तक की समुचित सुविधा नजर नहीं आती। काम से घंटों परिसर में रहने वाले लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। दूसरी ओर प्रसाधन क्षेत्रों में सीलन और गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कलेक्ट्रेट में बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी भी काम करती हैं। ऐसे में सार्वजनिक प्रसाधनों की बदहाल स्थिति उनके लिए कितनी असुविधाजनक होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। एक ओर स्वच्छता और बेहतर सुविधाओं को लेकर प्रशासन लगातार दावे करता है, दूसरी ओर अपने ही मुख्यालय में बुनियादी इंतजामों की यह तस्वीर उन दावों की हकीकत सामने ला रही है। विडंबना देखिए—वरिष्ठ अधिकारियों के चैंबरों में निजी प्रसाधनों की सुविधा है, लेकिन कर्मचारियों और आम नागरिकों के लिए बने सार्वजनिक प्रसाधनों की सुध लेने की फुर्सत जिम्मेदारों को नहीं है।

सवाल यह नहीं कि कलेक्ट्रेट में सुविधाएं क्यों खराब हैं, सवाल यह है कि जब जिले के सबसे बड़े सरकारी कार्यालय में ही सफाई और प्रसाधन व्यवस्था की ऐसी अनदेखी है तो आम सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और अस्पतालों की स्थिति कितनी बदतर होगी। अब जरूरत केवल सफाई कराने की नहीं, बल्कि जिम्मेदारी तय करने की है। कलेक्ट्रेट जैसे प्रमुख प्रशासनिक परिसर में यदि टोटी, पानी, स्वच्छ प्रसाधन और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं भी सुनिश्चित नहीं हो पा रही हैं तो संबंधित व्यवस्था की निगरानी और जवाबदेही पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।

बाढ़ पीड़ितों की सहायता हेतु डॉ राकेश अग्रवाल ने जीवनरक्षक दवाइयां उपलब्ध कराईं

पीपुल्स प्रवक्ता सतना।

चित्रकूट क्षेत्र में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए आई एम ए अध्यक्ष व वन बंधु परिषद सतना के अध्यक्ष डॉ राकेश अग्रवाल द्वारा जीवनोपयोगी दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं। जरूरतमंद बाढ़ पीड़ितों के लिए लगभग एक लाख रुपये मूल्य की उपयोगी दवाइयाँ आज दीनदयाल शोध संस्थान के माध्यम से समाजसेवी जागृत कपूर के सहयोग से भेजी गईं।

इस पुनीत सेवा कार्य के लिए डॉ. राकेश अग्रवाल ने दवा प्रतिनिधियों के माध्यम से आवश्यक एवं उपयोगी दवाइयों की व्यवस्था कराई। बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने की यह पहल मानवीय संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का सराहनीय उदाहरण है।इस सेवा कार्य में डॉ. देवेश अग्रवाल एवं अधिवक्ता आभा अग्रवाल का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। सभी सहयोगकर्ताओं ने आपदा की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों की सहायता को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी बताते हुए भविष्य में भी जरूरतमंदों की मदद जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

जिले में अब तक 765.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

पिछले साल की तुलना में इस साल अब तक 20.1 फीसदी कम औसत वर्षा की गई रिकॉर्ड

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

जिले में 1 जून से 4 सितम्बर तक कुल 765.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोच्य अवधि के दौरान जिले में 958.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान रीठी तहसील में रिकार्ड 1231.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनाबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 1056.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है। अधीक्षक भू-अभिलेख मुन्ना लाल तिवारी ने बताया कि जिले में इस अवधि में कटनी तहसील में 698.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि तहसील रीठी में 951.0 मिलीमीटर, बड़वारा तहसील में 493.5 मिलीमीटर, बरही तहसील में 601.0 मिलीमीटर और विजयराघवगढ़ तहसील में 774.0 मिलीमीटर, बहोरीबंद तहसील में कुल 701.2 मिलीमीटर एवं स्लीमनाबाद तहसील में 1056.4 मिलीमीटर तथा ढीमरखेड़ा तहसील में 844.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में गूंजे श्रीकृष्ण के बाल रूप के जयकारे, बच्चों ने मनाई जन्माष्टमी

बाल लीलाओं पर आधारित गतिविधियों में नन्हे-मुन्नों ने उत्साह से लिया हिस्सा, माताओं ने भजनों से बांधा समां

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देशानुसार जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व उत्साह, उमंग और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्र नन्हे-मुन्ने बच्चों की कृष्णमय गतिविधियों और उल्लास से सराबोर नजर आए।

जन्माष्टमी के अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्रों में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को आत्मसात करते हुए उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कहीं बच्चे नटखट कन्हैया के रूप में नजर आए तो कहीं बाल गोपाल की मनमोहक झांकियों और गतिविधियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों की माताओं द्वारा भजन सत्र आयोजित किए गए। कृष्ण भजनों से आंगनबाड़ी केंद्रों का वातावरण भक्तिमय हो गया। माताओं और बच्चों ने मिलकर जन्माष्टमी के उल्लास को साझा किया और पर्व को आनंदपूर्वक मनाया। इस अवसर पर बच्चों के लिए विशेष पौष्टिक भोजन का वितरण भी किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों एवं उनकी माताओं को सुपोषण, संतुलित आहार और बच्चों के स्वस्थ विकास के संबंध में आवश्यक जानकारी दी।

उन्होंने बच्चों के दैनिक आहार में पोषणयुक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करने तथा बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर नियमित ध्यान देने के लिए माताओं को प्रेरित किया। जन्माष्टमी के आयोजन ने जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों को संस्कार, संस्कृति, भक्ति और सुपोषण के सुंदर संगम में बदल दिया। पर्व के माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से परिचित कराने के साथ ही उनके स्वस्थ एवं समग्र विकास का संदेश भी दिया गया।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026: रेड स्पॉट की सफाई से लेकर बोतल संग्रहण तक, जागरूकता गतिविधियां जारी

चार प्रकार के कचरे के पृथक्करण की दी जानकारी, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की अपील

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत नगर पालिक निगम कटनी की सहयोगी संस्था ओम साइ विजन की आईईसी टीम द्वारा शहर में स्वच्छता एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां निरंतर संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 24 के ईश्वरीय पुरा वार्ड स्थित पोस्ट ऑफिस के सामने वाली गली में चिन्हित रेड स्पॉट की सफाई कर सौंदर्यीकरण किया गया। वहीं वार्ड क्रमांक 9, 13 एवं 14 में नागरिकों को चार प्रकार के कचरे के पृथक्करण की जानकारी देते हुए गीला, सूखा, सैनिटरी एवं विशेष देखभाल वाले कचरे को घर पर ही अलग-अलग रखने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 9 एवं 11 में घर-घर संपर्क कर बोतल संग्रहण अभियान चलाया गया। इस दौरान नागरिकों को सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने तथा इसके स्थान पर कपड़े की थैलियों का उपयोग करने के लिए समझाइश दी गई। आईईसी टीम ने नागरिकों से स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने, कचरे का स्रोत पर ही पृथक्करण करने तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की अपील की। निगम का उद्देश्य जनसहभागिता के माध्यम से शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण अनुकूल बनाना है।

जलभराव प्रभावित सेवा बस्तियों में महापौर ने बांटी राहत सामग्री

पीपुल्स प्रवक्ता, सतना।

कल हुई भारी बारिश के कारण शहर की कई सेवा बस्तियों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे अनेक परिवारों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। कई घरों में पानी भर जाने से प्रभावित परिवारों के लिए भोजन बनाना भी संभव नहीं हो पाया।

जानकारी लगते ही महापौर श्री योगेश कुमार ताम्रकार सेवा बस्तियों में पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं परिस्थितियों का जायजा लिया। इस दौरान जरूरतमंद परिवारों को भोजन के पैकेट एवं टी-शर्ट वितरित की गई। महापौर ने कहा कि इस कठिन समय में प्रत्येक जरूरतमंद परिवार के साथ खड़ा रहना हमारी जिम्मेदारी है। प्रभावित नागरिकों को तत्काल राहत और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम की टीम लगातार कार्य कर रही है। इस दौरान स्पीकर श्री राजेश चतुर्वेदी जी, पार्षद श्री अमित अवस्थी जी, पार्षद श्री महेंद्र पाण्डेय जी, श्री बालकृष्ण शुक्ला जी, श्री अजय सिंह मिंटू जी, श्री पुष्पराज कुशवाहा जी, एडवोकेट अनिल ताम्रकार, मौसम सहित अन्य साथीगण उपस्थित रहे।

आकर्षण का केंद्र नहीं रक्तदान जागरूकता की झांकी...

पीपुल्स प्रवक्ता सतना।

विश्व हिन्दू परिषद द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा में सिन्धु विकास समिति द्वारा शामिल रक्तदान जागरूकता पर विशेष झांकी आकर्षण का केंद्र रही।

संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी ने बताया कि इस झांकी का मुख्य उद्देश्य समाज मे रक्तदान के महत्व को समझाना और अधिक से अधिक लोगों को इस पुण्य कार्य के लिए प्रेरित करना है झांकी के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि रक्त,दान जीवन,दान है इससे कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। झांकी में डॉ-सीरूमल भोजवानी पहलाज भावनानी मनोहर डिगवानी विनोद गेलानी भाई अशोक आहूजा भाई विजय जग्यासी मनोहर आरतानी अशोक चांदवानी प्रदीप अरोरा गंगाराम सचदेव रूपचंद सचदेव घनश्याम दास अच्छडा अनिल धनवानी संजय वाधवानी बंसी नागदेव मनीष सदानी संतोष अग्रवाल केशव माखीजा अग्रवाल एवं कई समाजसेवीगण शामिल रहे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे कांग्रेस के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामशंकर पयासी

पीपुल्स प्रवक्ता रामपुर बघेलान।

बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में कांग्रेस के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी श्री रामशंकर पयासी ने पहुंचकर प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात की तथा जरूरतमंद परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई। इस दौरान बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों एवं ग्रामीणों की समस्याओं की जानकारी ली गई। शासन-प्रशासन से मांग की गई कि बाढ़ प्रभावित परिवारों तक तत्काल राहत सामग्री, भोजन, पेयजल एवं स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जाएं तथा राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाते हुए प्रभावित परिवारों को नियमानुसार उचित सहायता एवं मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान कोटर ब्लॉक अध्यक्ष श्री लक्ष्मी त्रिपाठी सहित श्री गोकुल सिंह, श्री लालमन सिंह, श्री रामकलेश सिंह, श्री अनूप सिंह एवं श्री अवधेश तिवारी तथा कोटर ब्लॉक का संपूर्ण प्रतिनिधिमंडल उपस्थित रहा।

कृष्ण जन्मोत्सव से कृष्णमय हुआ शहर

आधी रात गूंजे जयकारे, मंदिरों में सजी अलौकिक झांकियों ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

यशोदानंदन भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव शुक्रवार शनिवार की रात्रि शहर में पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। शाम होते ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। आकर्षक विद्युत सजावट और मनमोहक झांकियों से सजे मंदिरों में देर रात तक भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजन चलते रहे। मध्यरात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य के साथ ही मंदिर परिसर 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की' के जयघोष से गूंज उठे।

बरही रोड स्थित प्रसिद्ध श्री सत्यनारायण मंदिर में परंपरानुसार एक दिवसीय मेले का आयोजन हुआ। यहां ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से भगवान श्रीकृष्ण की जीवनलीला पर आधारित चलित झांकी प्रस्तुत की गई, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। शाम से ही झांकी देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। शहर के श्री महालक्ष्मी मंदिर, श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर, गोविंद देवजी मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, कांच मंदिर, कटायेघाट स्थित मुरली मनोहर मंदिर, बड़े हनुमानजी मंदिर चाका, मधई मंदिर, चंडिका मंदिर कुठला, माधवनगर स्थित मेहड़ दरबार और श्री राधाकृष्ण मंदिर, दद्दा धाम स्थित श्रीकृष्ण बर्द्ध आश्रम सहित विभिन्न मंदिरों में आकर्षक झांकियां सजाई गईं। कई स्थानों पर जीवंत झांकियों के साथ भजन-कीर्तन और विशेष धार्मिक कार्यक्रम हुए। डन कॉलोनी स्थित श्री गणेश सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में शाम की आरती, सुंदरकांड पाठ और भजन संध्या के बाद मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। भगवान के जन्म के बाद अभिषेक, पूजन और महाआरती हुई तथा श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

फूलों से सजा रहा वृंदावन धाम

ग्राम बांधा इमलाज स्थित प्रसिद्ध वृंदावन धाम में भी जन्माष्टमी पर विशेष आयोजन हुए। पूरे मंदिर परिसर को फूलों से सजाया गया था। सुबह हवन-पूजन और अभिषेक के बाद दिनभर भजन-कीर्तन तथा भंडारे का आयोजन हुआ। शाम को विशेष भजन संध्या और मध्यरात्रि में भगवान बांके बिहारी के जन्मोत्सव के बाद महाआरती की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान के दर्शन किए।

वसूली कार्य में लापरवाही पर नगर निगम के 10 राजस्व कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी

3 दिवस में देना होगा स्पष्टीकरण

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

नगर पालिक निगम कटनी में राजस्व वसूली कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के बावजूद कार्य के प्रति लापरवाही बरतने को गंभीरता से लिया गया है। वसूली कार्य की समीक्षा के दौरान सामने आई स्थिति के बाद राजस्व अधिकारी श्री जागेश्वर प्रसाद पाठक द्वारा निगम के 10 कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किए गए हैं।

इन्हें जारी हुआ नोटिस: राजस्व अधिकारी श्री पाठक द्वारा जिन 10 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है उनमें वार्ड क्रमांक 34,43 तथा वार्ड क्रमांक 15,16 के राजस्व उपनिरीक्षक, वार्ड क्रमांक 41, 31और 32 के सहायक राजस्व निरीक्षक सहित वार्ड क्रमांक 03, 28, 39 और वार्ड क्रमांक 42 के वसूलीकर्ता शामिल है। डिमांड के विरुद्ध कम वसूली: कारण बताओ नोटिस में उल्लेख किया गया है कि समय-समय पर आयोजित समीक्षा बैठकों एवं जारी निर्देशों के बावजूद संबंधित कर्मचारियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 अप्रैल से 31 अगस्त 2026 तक की अवधि में डिमांड के विरुद्ध अपेक्षित वसूली नहीं की गई। नोटिस में विशेष रूप से बताया गया कि संबंधित कर्मचारी द्वारा निम्न वसूली की गई, जो कार्य के प्रति उदासीनता एवं निरंतर लापरवाही को दर्शाती है। ज्ञातव्य हो कि निगम प्रशासन द्वारा वसूली कार्य में तेजी लाने तथा बकायेदारों से राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के लिए लगातार समीक्षा एवं निगरानी की जा रही है। इसके बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं आने पर संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण तलब किया गया है। 3 दिवस में देना होगा जवाबः जारी नोटिस में संबंधित कर्मचारियों को 03 दिवस के भीतर अपना स्पष्टीकरण अनुशासनात्मक अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। संतोषजनक स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। निगम प्रशासन की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि राजस्व वसूली जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।